सरकारी फाइलें और घोंघे की चाल

सरकारी दफ्तर की एक आलमारी में धूल से सनी एक फाइल आराम फरमा रही थी। यह फाइल पिछले सात सालों से अपनी बारी का इंतजार कर रही थी। फाइलों की इस कतार में उसकी स्थिति वैसी ही थी जैसे भारतीय सड़कों पर कोई शरीफ आदमी ट्रैफिक नियमों का पालन करते हुए चलता है–सब उसे धक्का देकर आगे निकल जाते हैं! मगर अफसरों की व्यस्तता ऐसी थी कि वे फाइलों को देखने के बजाय मोबाइल स्क्रीन पर 'वर्कलोड' नामक व्हाट्सएप ग्रुप में मीम्स देखना ज्यादा पसंद करते थे। एक बाबू ने फाइल की ओर देखा, झुंझलाया और बोला–अरे! तू अभी तक यहीं पड़ी है? हफ्ते में एक बार आगे खिसक तो लिया कर, वरना अफसर को लगेगा तेरा कोई काम ही नहीं।

फाइल को आखिरकार एक क्लर्क की दया दृष्टि मिली। उसने उसे खोलकर झांकने की कोशिश की, लेकिन अंदर से उभरी धूल ने ऐसी छींक दिलाई कि वह फाइल समेत उल्टा गिर पड़ा। उसकी छींक से सारा दफ्तर गूंज उठा, मानो सदियों से सोए सरकारी तंत्र को कोई झकझोर कर उठा रहा हो। झल्लाकर क्लर्क ने फाइल उठाई और झाड़ते हुए बोला–सात साल में एक बार धूल झाड़ो तो बवाल खड़ा कर देती हो, और खुद अफसरों के सामने तो मुँह तक नहीं खोलती! पास खड़े चपरासी ने हंसते हुए कहा–फाइलें बोलने लगें तो बहुतों की नौकरी चली जाएगी!

बड़ी मशक्कत के बाद फाइल अफसर की मेज तक पहुँची। अफसर ने उसे ऐसे देखा जैसे कोई माँ अपनी बारहवीं बार फेल हुए बेटे की मार्कशीट देखती है। इतनी पुरानी? अरे, इसे निपटा देते हैं, वरना कल को जाँच आ जाएगी और कोई पूछ बैठेगा कि इतनी पुरानी फाइलें पेंडिंग क्यों हैं! अफसर ने फाइल को आगे बढ़ाने की बजाय एक और नोटिंग जोड़ दी–जाँच हेतु समिति गठित की जाए। यानी फाइल की उम्र और बढ़ा दी गई। उधर, घड़ी की सुइयाँ घूमती रहीं, साल बीतते रहे, और फाइल सरकारी गलियारों में टहलती रही।

समिति का गठन हुआ। समिति के सदस्यों ने बैठक रखी, चाय-समोसे खाए, कुछ मोटे-मोटे शब्द लिखे, और निर्णय लिया–इस मामले में गहराई से अध्ययन आवश्यक है। गहराई से अध्ययन के लिए फिर से एक नई समिति बनी। नतीजा? फाइल फिर से सरकारी गाड़ी के पायदान पर लटक गई, जैसे किसी ट्रेन में बिना टिकट यात्री दरवाजे पर लटका रहता है। चपरासी ने बाबू से कहा–साहब, इस फाइल का क्या करना है? बाबू ने गहरी सांस ली और जवाब दिया–अभी कुछ दिन और लटका रहने दो, शायद खुद ही हल निकल आए!

फाइल को लगा कि अब वह धूल से नहीं, आंसुओं से भीग जाएगी। मगर, सरकारी फाइलों की किस्मत में केवल प्रतीक्षा लिखी होती है। इधर जनता सड़क पर प्रदर्शन कर रही थी–हमारे हक का फैसला कब होगा? उधर, अफसर एसी कमरे में सोच रहा था–समस्या इतनी जटिल है कि समाधान निकालने से ज्यादा जरूरी एक और बैठक बुलाना है।

अखबारों में खबर छपी–सरकारी निर्णय में देरी, जनता परेशान। मंत्रीजी ने इसे पढ़ा और तुरंत एक प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई–हमारी सरकार जनता के हर मुद्दे पर संजीदगी से काम कर रही है। संबंधित विभाग को निर्देश दिए गए हैं कि वह इस फाइल पर तत्काल संज्ञान ले! अफसरों ने फिर से बैठक बुलाई, नाश्ते का इंतजाम हुआ, और फैसला आया–फाइल को उच्च स्तरीय समीक्षा के लिए भेजा जाए।

उच्च स्तरीय समीक्षा के लिए फाइल मंत्रालय पहुँची। वहां एक अनुभवी अफसर ने उसे देखा, मुस्कुराया और बोला–अरे, यह तो वही फाइल है जो दस साल पहले मेरे पास आई थी! लगता है सरकारी सेवा में मेरी तरक्की तो हुई, लेकिन फाइल की नहीं! फिर उसने उसे एक और रिमाइंडर जोड़कर नीचे वाले अफसर को भेज दिया–इस पर शीघ्र निर्णय लिया जाए। शीघ्र का मतलब? अगले दस साल।

आखिरकार, बीस साल बाद फाइल पर मुहर लग गई। जिस आदमी का यह आवेदन था, वह अब खुद सरकारी रिकॉर्ड में दिवंगत की सूची में था। उसकी जगह उसका पोता न्याय के लिए खड़ा था। उसने अफसर से पूछा–साहब, इतना समय क्यों लग गया? अफसर ने गंभीरता से उत्तर दिया–बेटा, सरकार में चीजें धीरे-धीरे होती हैं। जल्दी का काम शैतान का होता है! पोते ने व्यंग्य भरी मुस्कान के साथ कहा–साहब, फिर तो आपकी सरकारी मशीनरी को साक्षात संत घोषित कर देना चाहिए!

साथियों की जमानत के लिए खाचरोद जा रहे डीपी धाकड़ को बड़ावदा में रोका

एसडीओपी मालवीय ले गए जावरा, 28 प्रदर्शनकारियों को भी उन्हैल से मिली जमानत, शाम को खाचरौद जेल से हुए रिहा

जावरा। जन संघर्ष समिति, किसान न्याय यात्रा के नेताओं का पीछा पुलिस नहीं छोड़ रही हैं। जमानत मिलने के बाद अपने साथियों की जमानत करवाने खाचरौद जा रहे हैं किसान नेता डीपी धाकड़ को बड़ावदा में फिर पुलिस ने रोक लिया। वहीं अब यह आंदोलन और भी बड़ा होने की कगार पर पहुंचने वाला हैं, इस आंदोलन को अब पूर्व केन्द्रीय मंत्री कांतीलाल भूरिया का भी समर्थन मिल गया हैं। भूरिया भी अब किसान नेताओं के साथ जुड़कर आंदोलन में सक्रिय रहेंगे। गुरुवार को दोपहर करीब 2 बजे जब किसान नेता डीपी धाकड़ जमानत के लिए जा रहे थे तभी बड़ावदा में उन्हें पुलिस ने रोक लिया। एसडीओपी संदीप मालवीय, जावरा औद्योगिक क्षेत्र थाना प्रभारी वीडी जोशी, बड़ावदा थाना प्रभारी तूरसिंह आदि पेट्रोल पंप के सामने एक दुकान पर काफी देर बैठे रहे। डीपी ने खाचरोद जाने की जिद की। लेकिन पुलिस ने नहीं जाने दिया। पुलिस बोली उनकी जमानत हो जाएगी। आप हमारे साथ चलिए। इस बीच किसी अधिकारी (संभवतः खाचरोद एसडीओपी) का फोन आया। एसडीओपी ने दोनों की बात कराई। फिर डीपी को पुलिस जावरा ले गई।

तो मुझे भी डाल दो जेल में

धाकड़ ने चर्चा में कहा कि पहले हमारी जमानत नहीं होने दे रहे थे, अब जमानत कराने जा रहे तो कराने नहीं दे रहे। हमने जमानतदार को तैयार किया। वकील किया। जब हम जमानत के लिए जा रहे तो पुलिस बार बार हमारे सामने गाड़ी खड़ी कर देती है। क्या हम हमारे साथियों को ऐसे ही जेल में रहने दें। यदि हमारे साथियों को जमानत नहीं मिली तो मुझे भी जेल में डाल दो। कलेक्टर, एसपी, तहसीलदार चाहे जो कराए मगर हमारे साथियों की जमानत कराए।

28 लोगों को खाचरौद जेल से किया रिहा

गुरुवार को जब डीपी को पुलिस ने रोक रखा था, उसी दौरान उन्हैल में जन संघर्ष समिति के असलम मेव, दिनेश नायमा,जितु मालवीय, जगदीश सोलंकी, सिकंदर मेंव, असलम कुरैशी सहित 28 लोगों की जमानत मंजूर हुई, शाम को सभी को खाचरोद जेल से रिहा किया गया। सभी को जमानत मिलने के बाद अब जन संघर्ष समिति किसान साथियों के साथ बैठक कर आंदोलन के लिए आगे की रणनीति बनाएगी।

जैन दिवाकर भवन पर 30 मार्च तक मनेगा आनंदऋषिजी मसा का 34 वां पूण्य स्मृति दिवस

जावरा। आचार्य सम्राट पूज्य गुरुदेव श्री आनंदऋषि जी महाराज साहब का 34 वा. पुण्य स्मृति दिवस दिवाकर भवन जावरा श्री संघ में मालव ज्योति गुरुवर्या पूज्य श्री वल्लभ कुवंर जी महाराज साहब की सुशिष्या जिन शासन चंद्रिका मालव गौरव महासती श्री प्रियदर्शनाजी म.सा.,तत्व चिंतिका महासती श्री कल्पदर्शना जी म.सा. आदि ठाणा 2 के सानिध्य में 27 मार्च से 30 मार्च तक बनाया जा रहा है। जिसमें प्रतिदिन प्रवचन के साथ जाप एवं विविध धार्मिक कार्यक्रम के साथ धर्म आराधना कर मनाया जा रहा हैं। गुरुवार को पेसठिया मंत्र के जाप, प्रवचन और 5 सामायिक का आयोजन किया गया जाप में पधारने वाले महानुभाव को लक्की ड्रा एवं प्रवचन की प्रभावना का लाभ पारसमल सुमित विरल बरड़िया परिवार ने लिया।उ परोक्त जानकारी देते हुए श्रीसंघ के अध्यक्ष इन्दरमल टुकड़ियां महामंत्री महावीर छाजेड़ ने बताया कि दिनांक 28 मार्च 2025 शुक्रवार श्रमण संघीय द्वितीय पट्टधर राष्ट्र संत आचार्य सम्राट पुज्य श्री आनंदऋषि जी म.सा. का 34 वा. पुण्य स्मृति दिवस ? आनंद नमो नमः के जाप, गुणानुवाद सभा,सामायिक दिवस के रूप में मनाया जाएगा जाप में समय पर आने वाले महानुभाव को लक्की ड्रा के टोकन दिए जाएंगे साथ ही दिनांक 29 मार्च 2025 शनिवार शनेश्चरी अमावस्या को पार्श्वनाथ भगवान के जाप अनुष्ठान, प्रश्नमंच का आयोजन किया जाएगा। 30 मार्च 2025 रविवार गुड़ी पड़वा नववर्ष के उपलक्ष्य में उवसग्गहरं स्त्रोत के जाप के पश्चात महामांगलिक, महासती द्वारा प्रदान की जावेगी। धर्म सभा का संचालन आकाश जैन ने किया।

राइफल्स शुटिंग में सौरभ ने बनाया किर्तीमान

जावरा। समीपस्थ ग्राम केरवासा से प्राथमिक शिक्षा ग्रहण करते हुए वर्तमान में इन्दोर में अध्यनरत सौरभ पिता मनौहर कणडारे ने महु मिलेर्टी परिसर में आयोजित राइफल्स शुटिंग प्रतियोगिता में देश भर सभी राज्यों से आए लगभग 700 खिलाड़ियो में मध्यप्रदेश की ओर से सहभागिता करते हुए 10 मिटर एयर राइफल्स शुटिंग में किर्ति मान बनाते हुए विजय प्राप्त की। सौरभ ने अपनी जीत का श्रेय अपने माता-पिता और गुरूजनौ के साथ अपने कोच को दिया हैं। आगामी दिनों में शुटिंग की राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में सौरभ मध्यप्रदेश की और से भाग लेंगे। सौरभ का सपना है कि वह राष्ट्रीय स्तर पर होने वाली चेम्पियनशिप में विजय प्राप्त कर अपने गांव का नाम रोशन करें। छात्र की इस उपलब्धि पर शिक्षकगण बाबुलाल छावड़ा, सुरेश राठौर, जगदीश अटोलिया, चैनीराम राठौर, लालूराम बामनिया, रामगोपाल किसानिया, प्यारसिंह पंवार ने हर्ष व्यक्त किया हैं।

सफाई मजदूर संघ ने नियमित करने विधायक से लगाई गुहार

जावरा। अखिल भारतीय सफाई मजदूर संघ ने नगर पालिका जावरा में पदस्थ मजदूर संघ विनियमीत कर्मचारीयों को नियमीत करने के लिए जावरा विधायक डॉ राजेन्द्र पाण्डेय से गुहार लगाते हुए एक ज्ञापन सौंपा। न.पा. मे लम्बे समय से विनियमीत कर्मचारी अपनी नियमितीकरण को लेकर संघर्ष कर रहे है। इसी कड़ी में गुरुवार को अ.भा.स.मजदूर संघ के पदाधिकारियों ने ज्ञापन सौंपकर नियमित करने की मांग की हैं। इस दौरान संघ के शहर अध्यक्ष करण कुमार कण्याणे, रवि गोसर, संदिप दुलगज, प्रकाश बारवासे, संतोष थनवार, अनिल कलोसिया, गोलू, सुभाष केसरीया, रितु थनवार व रमेश चावरे आदि मोजूद रहे।

गायत्री शक्ति पीठ जावरा पर चैत्र नवरात्रि में होंगे धार्मिक अनुष्ठान

जावरा। परम पूज्य गुरुदेव एवं परम वंदनीय माताजी के सूक्ष्म सरंक्षण में गायत्री परिवार जावरा द्वारा गायत्री शक्ति पीठ कश्मीरी गली (लाला गली) जावरा पर चैत्र नवरात्रि के तहत धार्मिक अनुष्ठान किए जाएंगे। प्रबंध ट्रस्टी संजय गुप्ता ने बताया कि चैत्र नवरात्रि के तहत 30 मार्च रविवार से 06 अप्रेल तक प्रतिदिन प्रातः 7.30 बजे से 9 बजे तक गायत्री यज्ञ आयोजित किया जाएगा, घट स्थापना रविवार को ब्रह्ममुहुर्त में की जाएगी।

नवरात्रि में प्रतिदिन प्रातः 6 बजे से शाम 6 बजे तक अखंड गायत्री मंत्र का जप का आयोजन रहेगा। नवरात्रि अनुष्ठान की पूर्णाहुति दिनांक 07 अप्रेल 25 सोमवार को प्रातः 8.30 बजे से पंचकुंडीय गायत्री यज्ञ, कन्या पूजन व कन्या भोज के साथ होगी। गायत्री परिवार ट्रस्ट ने श्रृद्धालुओं से सभ धार्मिक अनुष्ठानों में शामिल होने की अपील की हैं।

रेलवे ने नवीन ट्रेक पर लिया ट्रायल, बड़ायला से ढोढ़र तक चलाई ट्रेन

जावरा। रतलाम से नीमच तक रेल लाईन दोहरीकरण का काम लगभग पूरा होने आया हैं। जिसके बाद गुरुवार को रेलवे की टीम ने बड़ायला चोरासी से ढोढ़र तक का करीब 25 किलोमीटर का स्पीड ट्रायल लिया। उल्लेखनीय है कि है कि रतलाम से बड़ायला चौरासी तक रेलवे दुसरा ट्रेक पहले ही चालु कर चुका हैं। गुरुवार को बड़ायला से ढोढर तक का ट्रायल करने के बाद इसे भी चालु करेगी। गुरुवार को निर्माण शाखा के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी विनीत गुप्ता के नेतृत्व में टीम ने सुबह करीब 9 बजे तकनिकी टीम के साथ बड़ायला चौरासी से ढोढ़र तक डले नवीन ट्रेक का ट्रायल लिया। ट्रायल के दौरान जो दल को जो कमियां नजर आएगी उन्है दूर किया जाएग। इसके बाद सीआरएस की विजिट होगी, उनकी विजिट के बाद ट्रेक को चालु कर दिया जाएगा।

शहर की ममता ने सूरत में मेकअप आर्टिस्ट का आठ दिवसीय प्रशिक्षण प्राप्त किया

जावरा। शहर की ममता पंड्या ने हाल ही में सूरत में आयोजित एक विशेष मेकअप आर्टिस्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। यह आठ दिवसीय प्रशिक्षण सत्र 19 मार्च से 26 मार्च तक चला। यह शिविर पेशेवर मेकअप कला में नवीनतम तकनीकों और रुझानों को सीखने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था।

प्रशिक्षण के दौरान पंड्या ने ब्राइडल मेकअप, पार्टी मेकअप, एचडी मेकअप और अन्य अत्याधुनिक तकनीकों में विशेष ज्ञान अर्जित किया। अनुभवी प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में, उन्होंने आधुनिक सौंदर्य प्रसाधनों का सही उपयोग, चेहरे की बनावट को ध्यान में रखते हुए मेकअप करने की बारीकियां और ट्रेंडिंग लुक्स को साकार करने की तकनीकें सीखीं। पंड्या ने बताया कि यह प्रशिक्षण उनके करियर के लिए एक महत्वपूर्ण कदम हैं, जिससे वे अपने ग्राहकों को और भी बेहतरीन सेवाएं दे सकेंगी। यह प्रशिक्षण न केवल मेरी स्किल्स को बेहतर बनाने में मदद करेगा, बल्कि मुझे मेकअप इंडस्ट्री में नए अवसरों के लिए भी तैयार करेगा।

मेकअप आर्टिस्ट के रूप में भविष्य की योजनाएं

ममता पंड्या अब अपने इस नए कौशल का उपयोग करके मेकअप इंडस्ट्री में एक मजबूत पहचान बनाने की दिशा में काम कर रही हैं। उनका लक्ष्य आधुनिक मेकअप तकनीकों के साथ अपने ग्राहकों को सर्वोत्तम सेवाएं प्रदान करना हैं। यह प्रशिक्षण न केवल उनके करियर के लिए महत्वपूर्ण रहा, बल्कि इससे सूरत के ब्यूटी और मेकअप क्षेत्र में भी एक नई ऊर्जा का संचार हुआ। इस अवसर उन्हें प्रमाण पत्र शील्ड अतिथि द्वारा भेट की गई।

सच्चाई, सफाई और सादगी की प्रतिमूर्ति थी 104 वर्षीय - दादी जानकी : बी.के. सावित्री दीदी

जावरा। सम्पूर्ण विश्व मे 27 मार्च (दादी जानकी के अव्यक्त दिवस) को अन्तर्राष्ट्रीय आध्यात्मिक जागृति दिवस के रूप मे मनाया जाता हैं। राजयोगनी दादी जानकी प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की तीसरी मुख्य प्रशासिका रही। दादी जानकी को विश्व में सबसे स्टेबल बुद्धि कि धनी हस्ती के रूप में देखा व माना जाता हैं। उनको ब्राह्मण परिवार में सभी सम्मान की दृष्टि से देखते हैं। दादी की जीवन कहानी सचमुच अनोखी व प्रेरणादायी रही। दादी जानकी सच्चाई, सफाई और सादगी की प्रतिमूर्ति थी।

यह बात बीके सावित्री दीदी ने जानकी दादीजी के 5 वीं पुण्य स्मृति दिवस पर कहीं। दीदी ने बताया कि जानकी दादी का जन्म 1916 में उत्तरी भारतीय प्रांत (आजादी के पूर्व) के सिंध शहर में हुआ। अपने शुरुआती दिनों से अन्य लोगों के कल्याण का भाव उनके जीवन को प्रेरित करता रहा। अन्य लोगों के कल्याण की भावना उनके जीवन को बल देती थी। जानकी दादी के इस सहज गुण ने उन्हें सबसे अलग व परमात्म-प्यारा बनाया। सभी ब्राह्मण वत्स एवं स्वयं शिव बाबा दादी जानकी को स्नेह से जनक पुकारा करते थे। दादी जानकी यज्ञ के आरंभ में (1937 में) परमात्मा व परमात्म यज्ञ (कर्तव्य) पर सम्पूर्ण निश्चय रख छोटी सी आयु में मण्डली के साथ अपनी यात्रा प्रारम्भ की।

लंदन में जाकर खोला सेवा केन्द्र

सावित्री दीदी ने बताया कि अव्यक्त बापदादा ने 1974 में दादी जानकी को लंदन की अंतर्राष्ट्रीय सेवा के लिए निर्देशीत किया। दादी जानकी को पहले जाने में संकोच हुआ, क्योंकि वह अंग्रेजी व वहाँ की सभ्यता नहीं जानती थी। परन्तु परमात्मा पर सम्पूर्ण निश्चय रख और परमात्मा की इच्छा को समझ, दादी सेवा के लिए रवाना हो गई। लंदन मे यूरोप का पहला सेवाकेंद्र खुला। दादी के कुशल नेतृत्व के द्वारा सफलतापूर्वक ब्रह्मा कुमारी के सेंटर अब पूरे विश्व में 140 से भी अधिक देशों में व्यापक रूप से फैल चुके हैं। 103 वर्ष की आयु मे (जीवन के अंतिम दिनों में) दादी ने शरीर से सेवा न कर पाने पर भी अपने शुभकामनाओं व वाइब्रेशन द्वारा सेवा की। दादी का सम्पूर्ण जीवन (पूर्व जीवन एवं आध्यात्मिक जीवन) बलिदान व सेवा से भरा हुआ हैं। दादी के पूण्यतिथि दिवसर पर ब्राह्मण बच्चों ने दादी जानकी जी, और दादी गुलजार जी को पुष्पांजलि अर्पीतकर दादी जी की याद में बैठकर योग तपस्या का अभ्यास किया तथा अपने जीवन को दादी जानकीजी के समान सच्चाई, सफाई और सादगी से भरपूर करने का संकल्प किया।

कार्यालय संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल संभाग रतलाम

//नामान्तरण सूचना//

मंडल की विकसित आवासीय कॉलोनी जवाहर नगर रतलाम स्थित भवन क्रमांक 5/69 (96 भवन) इस कार्यालय के आवंटन आदेश क्र. 6186 दिनांक 21.12.1993 के द्वारा श्री प्रितमसिंह अरोरा पिता श्री आशासिंह के नाम पर भाडाक्रय आधार पर आवंटित किया गया है । श्री प्रितमसिंह अरोरा पिता श्री आशासिंह की मृत्यु दिनांक 16.04.2011 को हो चुकी है, अपने पति श्री प्रितमसिंह अरोरा पिता श्री आशासिंह की मृत्यु हो जाने के कारण इनकी पत्नि श्रीमति हरमिंदर कौर पति स्वः प्रितमसिंह अरोरा द्वारा उक्त भवन का नामांतरण स्वयं के नाम पर करवाने हेतु इस कार्यालय में ऑनलाईन आवेदन पत्र, शपथ पत्र, आधार कार्ड की छायाप्रति मृत्यु प्रमाण पत्र, राशन कार्ड की छायाप्रति एवं इनका एक पुत्र 1) श्री गुलाबसिंह अरोरा व 4 पुत्री 1) गुरजीत कौर 2) सिमरन कालरा 3) इन्दरजीत कौर 4) शीतल चौधरी द्वारा उक्त भवन का नामांतरण अपनी माताजी के नाम पर करने हेतु अपनी सहमति, शपथ पत्र आदि प्रस्तुत किये गये। श्रीमति हरमिंदर कौर पति स्वः प्रितमसिंह अरोरा द्वारा उक्त भवन क्रमांक 5/69 (96 भवन) जवाहर नगर रतलाम का मृत्यु नामान्तरण करवाने हेतु इस कार्यालय में ऑनलाईन आवेदन पत्र एवं प्रस्तुत दस्तावेज शपथ-पत्र, सहमति पत्र एवं मृत्यु प्रमाण पत्र अन्य दस्तावेज के आधार पर श्री प्रितमसिंह अरोरा पिता श्री आशासिंह के नाम से श्रीमति हरमिंदर कौर पति स्वः प्रितमसिंह अरोरा के नाम पर नामान्तरण किया जाना प्रस्तावित है। इस सम्बध में यदि किसी व्यक्ति या संस्था आपत्ति हो तो मय ठोस प्रमाण पत्र के साथ अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में 15 दिन की अवधि में लिखित रुप से आपत्ति प्रस्तुत करें। उक्त समयावधि व्यतीत होने के उपरान्त भवन क्रमांक 5/69 (96 भवन) जवाहर नगर का नामान्तरण स्व. प्रितमसिंह अरोरा पिता श्री आशासिंह के नाम से श्रीमति हरमिंदर कौर पति स्व प्रितमसिंह अरोरा के नाम से कर दिया जावेगा। तथा इसके पश्चात किसी भी प्रकार का दावा या उज मान्य नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
म.प्र.गृ.नि. एवं अधोसंरचना विकास मंडल रतलाम